



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

Facebook icon दैनिक बुद्ध का संदेश

WhatsApp icon 8795951917, 9415163471

Twitter icon @budhakasandesh

Email icon budhakasandeshnews@gmail.com

Website icon www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत ...8

सिद्धार्थनगर

शनिवार ,18 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक : 209 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास....

सम्पादक : राजेश शर्मा

धार भोजशाला विवाद में नया दिवस्ट, नमाज के लिए मिली वैकल्पिक जगह को मुस्लिम पक्ष ने किया खारिज

भोपाल। भोजशाला प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन की दिशा में जिला प्रशासन ने शुक्रवार को मस्जिद पक्ष के लिए नमाज का स्थान तय कर दिया। सुबह आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के बाद अधिकारियों ने उसका अध्ययन किया और भोजशाला परिसर से करीब दो किलोमीटर दूर मालीवाड़ा में एक खुले स्थान का चयन कर इसकी जानकारी मस्जिद पक्ष को दे दी। हालांकि, शुक्रवार को यहां नमाज अदा नहीं की गई। इस पर मुस्लिम समाज ने अभी—अभी अपनी प्रतिक्रिया दी है, उसके तहत अब्दुल समद सदर मौलाना वेलफेयर सोसाइटी ने कहा है कि यह जगह विवादित स्थल से 2 किलोमीटर दूर दी गई है, जो हमें मंजूर नहीं है। इसको लेकर सभी याचिका करता और इंटर विनर वापस से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा आएंगे।

शामली अब आतंक का नहीं, विकास का प्रतीक: सीएम योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने बड़े एक्सप्रेसवे के जरिए जिले की मौजूदा रणनीतिक कनेक्टिविटी पर जोर दिया

शामली उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को शामली जिले में आए बड़े बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह जिला कभी अराजकता और डर का केंद्र था, लेकिन अब यहाँ विकास और कनेक्टिविटी का माहौल है। शामली में बोलते हुए उन्होंने याद दिलाया कि एक दशक पहले यह जिला आतंक और डर का प्रतीक था, जहाँ बड़े पैमाने पर लोगों का पलायन और गुंडागर्दी होती थी, बुनियादी ढाँचे का विकास रुका हुआ था और सुरक्षा का भी अभाव था।

उन्होंने कहा कि दस साल पहले शामली चर्चा का विषय थीय लोग सोचते थे कि शामली जिला कहाँ है, क्योंकि यह डर और दहशत का प्रतीक बन गया था। बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा था, खुलेआम



गुंडागर्दी होती थी और कोई भी सुरक्षित नहीं था। विकास के काम रुक गए थे, युवा निराश थे, किसान आत्महत्या करने को मजबूर थे, महिलाएँ और लड़कियाँ

बाहर निकलने से डरती थीं, उद्योग ठप हो गए थे और सड़कें गड्ढों से भरी हुई थीं।

मुख्यमंत्री ने बड़े एक्सप्रेसवे के जरिए जिले की मौजूदा रणनीतिक कनेक्टिविटी पर जोर दिया और शामली को त्रिवेणी संगम बताया, जहाँ दिल्ली—देहरादून, शामली—अंबाला और शामली—गोरखपुर एक्सप्रेसवे आपस में मिलते हैं। उन्होंने इस प्रगति को देखकर खुशी जाहिर की और इसकी तुलना प्रयागराज के मशहूर त्रिवेणी संगम से की। आर्थिक सुधार के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि 2007 से 2017 के बीच, SP और BSP सरकारों के दौरान 29 चीनी मिलें बंद हो गई थीं, जबकि अब पूरे उत्तर प्रदेश में 122 चीनी मिलें चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यूपी अब

चीनी, गन्ना और इथेनॉल के उत्पादन में नंबर वन राज्य बन गया है, जिससे हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ रही है।

योगी आदित्यनाथ ने उस समय को याद किया जब महिलाएँ और बेटियाँ घर से निकलने में डरती थीं और कैराना में हत्याएं आम बात थीं। उन्होंने दावा किया कि बिजली की सप्लाई कम थी और पिछली सरकारों की खुलकर आलोचना करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को जिन्ना के उपासक बताया। उन्होंने इन पार्टियों पर धार्मिक गतिविधियों को दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कांवड़ यात्रा पर रोक लगाते थे, कृष्ण जन्माष्टमी के जश्न को रोकते थे और राम नवमी के जुलूस नहीं निकलने देते थे। वे धार्मिक स्थलों की संपत्तियों पर कब्जा करते थे।

नफरती वीडियो देव आतंकी बने पांच युवा, 8 बार किया था धमाके का ट्रायल गुजरात एटीएस का बड़ा खुलासा

अहमदाबाद। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते द्वारा जैश—ए—मोहम्मद से प्रेरित किताबें इतनी खतरनाक हैं कि पांच नए आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि ये आरोपी किसी बड़े विदेशी नेटवर्क के इशारे पर नहीं, बल्कि डिजिटल दुनिया में मौजूद कट्टरपंथ और नफरत भरे वीडियो देखकर खुद ही तबाही की राह पर चल पड़े थे। पकड़े गए आरोपियों का मुख्य केंद्र पालनपुर और भरुक के मदरसे थे, जहाँ इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिए युवाओं के दिमाग में देश विरोध गी जहर घोला जा रहा था। नफरती किताबें पढ़ रहे थे आरोपी

पास से बरामद हुआ आपत्तिजनक और नफरत भरी किताबें इतनी खतरनाक हैं कि कोई भी सामान्य लड़का अगर इनके संपर्क में आ जाए या इसे पढ़ ले, तो वह देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त हो सकता है।

इतना ही नहीं इस गुट के पास से पाकिस्तानी आतंकवादी मौलाना मसूद अजहर के नफरत भरे वीडियो, जैश—ए—मोहम्मद का झंडा और श्मुजाहिद जिहाद कैसे करें जैसी आपत्तिजनक किताबें बरामद हुई हैं, जिन्हें ये नए लड़कों में बांट रहे थे।

ऑनलाइन सामान मंगाकर 8 बार किया बम धमाके का ट्रायल: इसके अलावा जांच में यह बात भी सामने आई है कि इन युवाओं में बम धमाके करने का विचार पूरी तरह से इनका अपना था, यानी इसके पीछे अभी तक बाहर से जुड़ी कोई

सीधी कड़ी नहीं मिली है। डिजिटल दुनिया से प्रेरित होकर इन आरोपियों ने खतरनाक कदम उठाए। मुख्य आरोपी अमद जामिया अबुल हसन और उसके गुट ने साल 2023 से फरवरी 2024 के बीच अलग—अलग जगहों पर 8 बार आईईडी (म्क) और टाइमर बम से धमाका करने का प्रयोग ट्रायल भी किया था।

ऑनलाइन शॉपिंग से मंगाया सामान सामने आई जानकारी में बताया गया है कि आरोपी मोहम्मद अमीन शेरा सहित अन्य लोग इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बम बनाने की ट्रेनिंग ले रहे थे और इसके लिए जरूरी केमिकल व सामान ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स के जरिए मंगवाते थे। पुलिस ने इनके पास से 130000 रुपये कैश और बम बनाने का सामान जब्त किया है।

मेक इन इंडिया की शानदार कामयाबी पीएम मोदी ने दिखाई स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी, बदलेगी रेलवे की तस्वीर

जींद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से भारत की पहली हाइड्रोजन—पावर्ड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच चलेगी। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जहाँ हाइड्रोजन—पावर्ड ट्रेनें चल रही हैं। भारत में डिजाइन और तैयार की गई यह ट्रेन साफ—सुथरे रेल ट्रांसपोर्ट की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह दुनिया की सबसे लंबी और सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन—पावर्ड पैसेंजर ट्रेनों में से एक है। इसमें 10 कोच हैं, लगभग 2,600 यात्रियों के बैठने



की क्षमता है और 3,200 हॉर्सपावर का प्रोपल्शन सिस्टम लगा है। दुनिया भर में अभी चल रही ज़्यादातर हाइड्रोजन ट्रेनों में सिर्फ

दो से चार कोच होते हैं और उनका इस्तेमाल मुख्य रूप से छोटे रीजनल रूट पर किया जाता है। हाइड्रोजन से चलने वाली

हाइड्रोजन ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल का इस्तेमाल करके खुद अपनी बिजली बनाती है। भारत की पहली हाइड्रोजन

से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। देश के नेतृत्व की वजह से हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी विकसित करने में हमने एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। अब भारत उन देशों में शामिल हो गया है जिनके पास हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन बनाने की पूरी टेक्नोलॉजी मौजूद है। इस सिस्टम का मुख्य हिस्सा 1,200—किलोवाट का प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल है, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच केमिकल रिएक्शन से बिजली बनाता है।

जेपी नड्डा बोले, पीएम मोदी के नेतृत्व में 12 साल में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने 17 जुलाई को चंडीगढ़ के PGIMER में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के हेल्थकेयर सेक्टर में आए बदलाव को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को एक ज़्यादा व्यापक और बचाव—केंद्रित हेल्थकेयर मॉडल की दिशा में एक अहम बदलाव के तौर पर रेखांकित किया। प्रधानमंत्री द्वारा हेल्थकेयर प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में भारत ने कई क्षेत्रों में जबरदस्त तरक्की की है। नड्डा



ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, हमने पिछले 12 सालों में देश के हर क्षेत्र में भारी विकास की कहानी देखी है। अगर हम हेल्थ सेक्टर की बात करें, तो आपके नेतृत्व में जो काम हुआ है, वह अभूतपूर्व है। नड्डा ने बताया कि 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति पिछले तरीकों से काफी अलग थी, क्योंकि इसमें सिर्फ इलाज

पर ही नहीं, बल्कि बीमारी से बचाव और लोगों की सेहत को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा कि आपकी ही अगुवाई में 2017 में भारत की स्वास्थ्य नीति तैयार की गई थी, जो पिछली स्वास्थ्य नीति से बिल्कुल अलग थी। इसका नजरिया अलग था कृ एक व्यापक और सबको साथ लेकर चलने वाली स्वास्थ्य नीति। इस नीति का मकसद सिर्फ बीमारी का इलाज करना नहीं था, बल्कि यह पक्का करना भी था कि लोग बीमार ही न पड़ें। मंत्री ने आगे कहा कि इस नीति में सेहत को बढ़ावा

देने, बीमारी से बचाव, इलाज, दर्द कम करने वाले इलाज, बुजुर्गों की देखभाल और ठीक होने में मदद करने वाली स्वास्थ्य सेवाएँ शामिल हैं, जिससे भारत की 1.4 अरब से ज़्यादा आबादी की सेवा करने की सरकार की क्षमता बढ़ती है। उन्होंने चंडीगढ़ के साथ नरेंद्र मोदी के लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को भी याद किया। उन्होंने इस शहर को प्रधानमंत्री की कर्मभूमि बताया और उत्तर भारत में बीजेपी के संगठनात्मक विस्तार के लिए इस एक अहम केंद्र के तौर पर रेखांकित किया। नड्डा ने कहा कि यह शहर प्रधानमंत्री का अपना शहर हैय यह उनकी कर्मभूमि रही है।

हरजीत सिंह ग्रेवाल बने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के नए अध्यक्ष, केंद्र ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हरजीत सिंह ग्रेवाल को तीन



उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया है, जबकि ग्लेन ई. सूजा टिकलो को आयोग का सदस्य नामित किया गया है। केंद्र सरकार ने उस वैधानिक निकाय को मजबूत करने के लिए ये नियुक्तियाँ की हैं, जो देश में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के लिए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है और उनके कल्याण व विकास से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सलाह देता है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में एसओजी से सर्विस राइफल छीनने की कोशिश नाकाम, सदिग्ध मारा गया, तीन जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू—कश्मीर के प्रारंभिक जांच में इस मामले का



डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात सुरक्षा बलों के साथ हुई हिंसक झड़प में एक सदिग्ध की मौत हो गई, जबकि स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के तीन जवान घायल हो गए। घटना के बाद फरार दूसरे सदिग्ध की तलाश के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि

किसी आतंकी गतिविधि से संबंधित सामने नहीं आया है। हालांकि पूरे घटनाक्रम की गहन जांच जारी है और सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त बल तैनात

कर दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह घटना डोडा जिले के ऊंचाई वाले जय वैली क्षेत्र में हुई, जहाँ सदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद एसओजी की टीम ने जय—गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रखी थी। रात करीब 11:30 बजे पुलिस दल ने दो सदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियाँ देखीं और उन्हें रोककर पूछताछ करने का प्रयास किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई।



3.45 लाख से अधिक श्रद्धालु 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 171 वाहनों के काफिले में रवाना हुए 16वें जत्थे में 1,626 श्रद्धालु मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित छोटे बालटाल मार्ग से, जबकि 3,014 श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर के अंतनगल जिले में स्थित पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, बालटाल मार्ग पर जाने वाला काफिला रात 2:42 बजे आधार शिविर से रवाना हुआ, जबकि पहलगाम मार्ग का काफिला इसके बाद रात 3:11 बजे निकला।

देहरादून। बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व अधिकारी राजेंद्र चौहान को एसआईटी ने मंदिर के दान में कथित चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। प्सी की चार घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्हें कल, 18 जुलाई को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर में दान की रकम की कथित चोरी के मामले में, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने 17 जुलाई को मंदिर के पूर्व अधिकारी राजेंद्र चौहान से पूछताछ की। जांच के



दौरान मिले सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण से चौहान की पहचान एक मुख्य सदिग्ध के तौर पर की गई है। कथित तौर पर सीसीटीवी फुटेज में चौहान को 22, 25

और 29 जून को कैश के बंडल लेते और उन्हें अपनी जेब में रखते हुए देखा जा सकता है। इसी सबूत के आधार पर प्सी ने चल रही जांच के सिलसिले में उनसे पूछताछ के लिए उन्हें बुलाया। अधिकारी दान के कथित दुरुपयोग से जुड़े तथ्यों का पता लगाने के लिए फुटेज और अन्य सामग्रियों की जांच कर रहे हैं। उत्तराखंड पुलिस के अनुसार, SIA को अपनी जांच के हिस्से के तौर पर बद्रीनाथ—केदारनाथ मंदिर

कैजीएमयू ट्रॉमा सेंटर ने युवा के शरीर में आर-पार धंसी चार लोहे की सरियों को निकालकर किया दुर्लभ और जटिल जीवनरक्षक ऑपरेशन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (कैजीएमयू) ट्रॉमा सेंटर के चिकित्सकों ने एक बार फिर गंभीर रूप से घायल मरीज के उपचार में अपनी उत्कृष्ट दक्षता और समर्पण का परिचय देते हुए 23 वर्षीय युवक का अत्यंत दुर्लभ, जटिल और सफल जीवनरक्षक ऑपरेशन किया। यह मामला इसलिए अत्यंत असाधारण था क्योंकि मरीज के शरीर में चार लोहे की सरियां बाएं नितंब (लेफ्ट बटॉक) से प्रवेश कर पेट और छाती को भेदते हुए विभिन्न स्थानों से बाहर निकली थीं। इनमें से तीन सरियां दाएं कंधे और गर्दन के पास तक पहुंच गई थीं, जबकि एक सरिया रीढ़ (स्पाइन) के समीप पीठ की ओर निकल गई थी। इन सरियों से फेफड़ा, डायफ्राम, आमाशय (स्टमक), आंत, प्लीहा (स्प्लीन) तथा मूत्राशय (यूनिरी ब्लैडर) सहित कई महत्वपूर्ण अंग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। 23 वर्षीय उमेश, जो पेशे से मजदूर हैं, 13 जुलाई 2026 को सुबह लगभग 4रु30 बजे लखनऊ के बादशाह नगर स्थित एक निर्माणधीन स्थल पर ऊंचाई से गिर गए, जहां नीचे लगी कई लोहे की सरियां उनके शरीर में आर-पार धंस गईं। स्थानीय लोगों ने सरियों को काटकर उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किए बिना वहीं छोटा किया और

तत्काल कैजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। मरीज सुबह लगभग 5:00 बजे ट्रॉमा सेंटर पहुंचा। ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। उसका रक्तचाप अस्थिर था, मूत्र में रक्त आ रहा था तथा चारों सरियां शरीर में ही फंसी हुई थीं। प्रो. डॉ. समीर मिश्रा के मार्गदर्शन में कंसल्टेंट प्रभारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने एडवॉरड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (ATLS) प्रोटोकॉल के अनुसार तत्काल पुनर्जीवन (Resuscitation) प्रारंभ कराया तथा ऑन-ड्यूटी वरिष्ठ रेजिडेंट डॉ. चरणवीर एवं उनकी टीम ने मरीज को स्थिर करते हुए सीटी स्कैन कराया। सीटी स्कैन में पाया गया कि चारों सरियां मूत्राशय, छोटी आंत, आमाशय, प्लीहा तथा पेट की प्रमुख रक्त वाहिकाओं (ग्रेट वेसल्स) को क्षतिग्रस्त करते हुए डायफ्राम को भेदकर हृदय के अत्यंत निकट से गुजर रही थीं। एक सरिया बाएं फेफड़े को छेदते हुए न्यूमोथोरेक्स का कारण बनी थी। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों ओर इंटरकोस्टल ड्रेन (ICD) डाले गए, जिनसे रक्त एवं वायु बाहर निकाली गई, जिससे फेफड़ों का विस्तार बेहतर हुआ। इसके बाद मरीज को तत्काल ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। चिकित्सकों के अनुसार यदि उचित शल्य तैयारी



साथ-साथ लेफ्ट एंटरोलेटरल थोराकोटॉमी की गई। ऑपरेशन के दौरान छाती और पेट में जमा रक्त के थक्कों को हटाया गया तथा पहले प्रमुख रक्त वाहिकाओं पर नियंत्रण स्थापित किया गया। इसके बाद चारों लोहे की सरियों को प्रत्यक्ष दृष्टि (Direct Vision) में अत्यंत

सावधानीपूर्वक निकाला गया। यह ऑपरेशन अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि इसमें एक साथ कई महत्वपूर्ण अंगकूत्राशय, आंत, आमाशय, प्लीहा, पेट की प्रमुख रक्त वाहिकाएं, डायफ्राम एवं फेफड़ेकृगंभीर रूप से क्षतिग्रस्त थे। सबसे बड़ी चुनौती चारों सरियों को इस प्रकार निकालना था कि हृदय, फेफड़े, प्लीहा तथा प्रमुख रक्त वाहिकाओं को अतिरिक्त क्षति न पहुंचे और अत्यधिक रक्तस्राव को रोका जा सके। प्रो. समीर मिश्रा एवं डॉ. नरेंद्र कुमार ने एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. विपिन के नेतृत्व वाली टीम के साथ उत्कृष्ट समन्वय स्थापित किया। चौथी सरिया, जो हृदय एवं बाएं फेफड़े के हिलम के अत्यंत निकट थी, निकालते समय

मरीज का रक्तचाप अचानक अत्यधिक गिर गया, लेकिन ट्रॉमा एवं एनेस्थीसिया टीम ने स्थिति को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया। सरियों को निकालने के बाद क्षतिग्रस्त अंगों की मरम्मत की गई। मूत्राशय में तीन स्थानों पर हुए छिद्रों की सफलतापूर्वक मरम्मत की गई। छोटी आंत में

जोगिया ब्लॉक से चंद कदम दूर पर गंदगी का साम्राज्य, नालियों की सफाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराज़गी

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया / उदयपुर। चौराहादुपकड़ी रोड पर बजबजाती नालियों ने सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है। पंचायत भवन से सटे इस क्षेत्र में लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। बरसात के मौसम में इससे संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि ब्लॉक मुख्यालय पर प्रतिदिन अधिकारियों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन इसके बावजूद नालियों की बदहाल स्थिति पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब ब्लॉक मुख्यालय के पास ही



कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद अब तक नालियों की सफाई नहीं कराई गई। आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव गौरव मिश्रा को कई बार फोन किया गया, लेकिन

उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ गई है।राहुल मिश्रा, भाजपा नेता रवि जायसवाल, उमेश प्रजापति, शेरू सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सफाई अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई नहीं कराई गई तो क्षेत्र में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस संबंध में जब खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जांच कराकर

पंचायत भवन के समीप ही गंदगी का अंबार, अधिकारियों के लगातार आवागमन के बावजूद सफाई व्यवस्था पर उठे रहे सवाल, जोगिया ब्लॉक से 100 मीटर की दूरी पर स्थिति

आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा जल्द ही नालियों की सफाई सुनिश्चित कराई जाएगी। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि सफाई व्यवस्था में सुधार करते हुए संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि आम जनता को गंदगी और संभावित संक्रमण से राहत मिल सके।

अगया व टड़िया चौपाल में अधिकारियों ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू हुए बीडीओ, बोले-हर पात्र तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। शासन की मंशा के अनुरूप गाँव की समस्याओं का गांव स्तर पर समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को शोहरतगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत अगया एवं टड़िया में चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। अगया गाँव में कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सचिव कुंवर कन्नौजिया तथा टड़िया में प्रभारी सचिव अजय भारतीया ने की। टड़िया गाँव में आयोजित चौपाल के दौरान नवागत खंड विकास अधिकारी विमल कुमार श्रीवास्तव का प्रधान प्रतिनिधि अजय चौहान ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंटकर स्वागत एवं सम्मान किया। चौपाल को संबोधित करते हुए बीडीओ विमल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को



शौचालय के नियमित उपयोग, समय से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने तथा अन्य आवश्यक सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। आरबीआई प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटना सहायता योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, फैमिली आईडी, कृषक नंदिनी योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, गरीब परिवारों की पुत्रियों के विवाह अनुदान, वृद्धावस्था पेंशन, बैंकिंग सेवाओं, बीमा तथा साइबर अपराध से बचाव के संबंध में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। चौपाल में राशन कार्ड, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, वृद्धावस्था, विधवा

एवं दिव्यांग पेंशन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, व्यक्तिगत शौचालय, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अगया ग्राम पंचायत में सचिव कुंवर कन्नौजिया, प्रधान सुभाष यादव तथा टड़िया में प्रभारी सचिव अजय भारतीया, विद्युत विभाग के जेई राजेश सहानी, प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र कुमार, अजय कुमार, पंचायत सहायक फूल चौहान, रोजगार सेवक अनीता चौहान, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री शशिप्रभा सिंह एवं सुनीता देवी, सहायिका दुर्गावती, सफाईकर्मी रामलाल व अकालमती, आशा बहू सुमन पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अनेक छिद्र पाए गए, जिनका उपचार एनास्टोमोसिस एवं स्टोमा बनाकर किया गया। आमाशय के आगे एवं पीछे दोनों ओर हुए छिद्रों की मरम्मत की गई। प्लीहा की चोट का उपचार पैकिंग द्वारा किया गया तथा बाई ओर फेफड़े डायफ्राम की सफलतापूर्वक मरम्मत की गई। ऑपरेशन के दौरान हुए रक्तस्राव की भरपाई के लिए मरीज को तीन यूनिट पैक्ड रेड ब्लड सेल्स (PRBCs) तथा चार यूनिट फ्रेश प्रोजन प्लाज्मा (FFP) चढ़ाया गया। सफल ऑपरेशन के बाद मरीज को स्थिर अवस्था में गहन चिकित्सा इकाई (ICU) में स्थानांतरित किया गया। वर्तमान में मरीज की स्थिति स्थिर है। उसका रक्तचाप, नाड़ी तथा ऑक्सीजन स्तर सामान्य हैं और वह आईसीयू में क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की निगरानी में लगातार स्वस्थ हो रहा है। ऑपरेशन टीम 1. प्रो. डॉ. समीर मिश्रा –वरिष्ठ सलाहकार एवं प्रभारी 2. डॉ. नरेंद्र कुमार – कंसल्टेंट प्रभारी 3. डॉ. रामबीत – वरिष्ठ रेजिडेंट 4. डॉ. चरणवीर – वरिष्ठ रेजिडेंट 5. डॉ. महेश – जूनियर रेजिडेंट–3 6. डॉ. प्रज्ज्वल – जूनियर रेजिडेंट–3 7. डॉ. धैर्य – जूनियर रेजिडेंट–2 8. डॉ. अंकित – जूनियर रेजिडेंट–2 9. डॉ. अखंड – जूनियर रेजिडेंट–2 10. डॉ. मोहतस्सिन – जूनियर

रेजिडेंट–1 11. डॉ. सागर – जूनियर रेजिडेंट–1 12. डॉ. पार्थ – जूनियर रेजिडेंट–1 ट्रॉमा टीम का संदेश– इस अवसर पर ट्रॉमा सर्जनों ने कहा कि यदि किसी मरीज के सीने या शरीर में कोई नुकीली वस्तु या हथियार धंसा हो, तो उसे ऑपरेशन थिएटर के बाहर कभी नहीं निकालना चाहिए। ऐसी वस्तुएं कई बार टैम्पोनेड प्रभाव (Tamponade Effect) के कारण अस्थायी रूप से रक्तस्राव को नियंत्रित रखती हैं। इसलिए पहले मरीज को स्थिर करना, आवश्यक जांच एवं इमेजिंग कराना तथा पर्याप्त शल्य तैयारी एवं रक्त वाहिकाओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के बाद ही ऑपरेशन थिएटर में उस वस्तु को निकालना चाहिए। यह प्रक्रिया मरीज की सुरक्षा सुनिश्चित करती है और कई मामलों में जीवनरक्षक सिद्ध होती है। यह सफल उपचार एक बार फिर ट्रॉमा सर्जरी, रेडियोलॉजी, ब्लड बैंक, एनेस्थीसिया एवं क्रिटिकल केयर विभागों के उत्कृष्ट बहु-विषयक समन्वय तथा “Sincerity] Service and Sacrifice” (निष्ठा, सेवा और समर्पण) की भावना को दर्शाता है। साथ ही, यह कैजीएमयू ट्रॉमा सेंटर की जटिल एवं गंभीर पेनेट्रेटिंग थोरेकोएब्डॉमिनल चोटों के सफल प्रबंधन में विशेषज्ञता को भी प्रमाणित करता है।

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को साइबर सुरक्षा व हेल्पलाइन की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को थाना शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत रेलवे स्टेशन रोड पर बहू-बेटी एवं जनचौपाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव, महिला सुरक्षा और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देश तथा अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में

आयोजित कार्यक्रम में करीब 30 बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को दहेज उत्पीड़न,



पॉक्सो एक्ट, महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में कानूनी अधिकारों की जानकारी दी तथा पीड़िताओं की काउंसलिंग भी की। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार

द्वारा थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि महिलाएं अपनी समस्याओं की शिकायत

वहां दर्ज करा सकती हैं। इस अवसर पर वूमन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112,

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एंबुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्टर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं की जानकारी दी गई। महिलाओं को नए कानूनों एवं साइबर ठगी से बचाव के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति फेज–5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए तथा यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, मुख्य आरक्षी अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी, अनीता तथा सीमा यादव सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाल श्रम मुक्त जनपद बनाने को निकाली गयी जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान के तहत शुक्रवार को मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान, श्रम विभाग एवं थाना एएचटी के संयुक्त तत्वावधान में बर्दपुर स्थित बुद्ध विद्या पीठ इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को बाल श्रम के दुष्परिणामों एवं शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। इसके बाद छात्र-छात्राओं के साथ जागरूकता रैली निकालकर लोगों को बाल श्रम के प्रति जागरूक किया व बाल श्रम मुक्त प्रतिष्ठान का स्टीकर दुकानों पर चस्पा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि बाल श्रम सामाजिक अभिशाप है। प्रत्येक बच्चे का बचपन सुरक्षित रखना और उसे शिक्षा से जोड़ना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम कराने वालों के विरुद्ध कानून में कठोर कार्रवाई का प्रावधान



का हनन है। पुलिस विभाग बाल श्रम और बाल तस्करी के मामलों पर लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि बाल श्रम की जानकारी मिलने पर संबंधित विभाग या पुलिस को अवश्य सूचित करें। एमआईएस अभिषेक मिश्रा ने कहा कि बच्चों का भविष्य शिक्षा से ही सुरक्षित हो सकता है। समाज के प्रत्येक

भी जानकारी दी। जिला सलाहकार जय प्रकाश गुप्ता ने कहा कि बाल श्रम उन्मूलन केवल सरकारी विभागों का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की भी साझा जिम्मेदारी है। अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजना चाहिए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने बच्चों को टोल फ्री नम्बर जैसे चाइल्ड

तिवारी, महिला आरक्षी प्रिया आरक्षी आशुतोष सिंह, विद्यालय के शिक्षक पूर्णेश्वर मिश्र, विजय बहादुर वर्मा, रणवीर सिंह, वशिष्ठ नारायण मिश्र, नीरज सिंह, नरेंद्र कुमार, मोती कुमार, रामचन्द्र कुमार, रुपेश कुमार, रामबचन राम, जितेंद्र कुमार वर्मा, यशवंत कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यालय छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

सम्पादकीय

सही मायने में जनसंख्या पर विमर्श को अब केवल संख्या निरांत्रण तक सीमित न रखकर, हमें निष्पक्षता और दूरदर्शिता के साथ जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रबंधन की ओर ले जाना होगा। अकसर दक्षिण भारत के राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने राष्ट्रीय सरोकारों के लिटे ईमानदारी से जनसंख्या निरांत्रण का कार्य संपन्न किया है। लेकिन उन्हें आज इसकी कीमत घटी दर ...

पेट भरा—नीयत कंगाल, चोरी जन्मसिद्ध अधिकार

हमारे देश में चोरी कोई ग्लानि बोध का विषय नहीं है बल्कि यह एक किस्म की महारत है, कला है, प्रविधि है। जो जितनी सफाई और कलात्मक तरीके से चोरी करके न पकड़ा जाये वो उतना बड़ा कलावंत। चोरी को लेकर हमारा कॉन्सेप्ट बहुत पुरातनपंथी है। चोरी कोई अपराध नहीं है बल्कि चौंसठ कलाओं में से एक कला है। यह माखन चोरी का युग नहीं है, यह आस्था और श्रद्धा चोरी का युग है। छोटी—मोटी चोरियां तो हम आए दिन करते रहते हैं और उसका कोई बुरा भी नहीं मानते। टोल टैक्स की चोरी को तो वीआईपी ट्रीटमेंट माना जाता है समाज में। बड़े नेता से लेकर उसके कारिंदे तक और आला अधिकारियों से लेकर छुटभैया पुलिस वाले तक टोल टैक्स को धता बताते हुए गर्व से निकलते हैं। टोल टैक्स की गाज गिरती है तो आम आदमी पर। बैंक से उठाये गए लोन की चोरी तो हमारा शाश्वत अधिकार है। बैंक और सरकारी ऋण होता ही इस पुनीत कार्य के लिए है। बड़े—बड़े उद्योगपति इस चोरी को ठाठ से विदेशों में मोज मार रहे हैं। सरकार ससम्मान उनके एनपीएस को वे ऑफ कर देती हैं। बचा हुआ महंगाई के बोझ कराहती हुई जनता उठाती रहती है। जनता होती ही बोझ उठाने के लिए है और चुनो हमको। हम तो ठहरे अमरबेल और हमें चाहिए पोषण। पोषण जिससे होगा शोषण भी उसी का होगा। जनता का धन जनप्रतिनिधियों को अर्पित। बिजली चोरी हमारा नैतिक अधिकार है। कौन नहीं है इस हमाम में नंगा नहीं है। छोटे किसान से लेकर बड़े व्यवसायी भी। गांवों में बिजली चोरी फैशन है और शहर में बिजली चोरी कला और तकनीक का सम्मिश्रण। उद्योगपति बिजली चोरी को अपराध नहीं कर्तव्य मानता है और झुग्गी—झोपड़ी वाला मजबूरी। सरकार अभियान चलाती रहती है और बिजली चोरी होती रहती है। हमारे देश में चोरी कोई ग्लानि बोध का विषय नहीं है बल्कि यह एक किस्म की महारत है, कला है, प्रविधि है। जो जितनी सफाई और कलात्मक तरीके से चोरी करके न पकड़ा जाये वो उतना बड़ा कलावंत। किताबों की चोरी, चोरी नहीं होती। हम कंटेंट की चोरी कर सकते हैं, आइडिये चुरा सकते हैं, कविताएं चुरा सकते हैं, एमएलए चुरा सकते हैं, वार्ड पार्श्व चुरा सकते हैं लेकिन किताबें भला क्यों चुराएंगे? रील और मीम्स के युग में उनका भला क्या काम? पिछले दिनों एक अखबार ने बताया कि हजारों चद्दरें और तकिये हर साल ट्रेन के एसी कोच से चोरी होते हैं तो इसे कहते हैं समृद्ध चोरी। पेट भरा है तो क्या नीयत तो कंगाल है। समय की चोरी और कामचोरी तो हमारा राष्ट्रीय शगल है। उसके बिना तो हमारा भोजन ही हजम नहीं होता। बल्कि कामचोरी को तो हम अपना आदर्श और योग्यता मानते हैं जो जितना बड़ा कामचोर वो उतना बड़ा अधिकारी। लेकिन इधर क्या हुआ कुछ लोगों ने चंदा चुरा लिया, कुछ ने दान और आस्था चुरा ली। धर्मप्राण जनता हिल गई। चुराई हुई आस्था और चंदे पर बुलडोजर भी नहीं चलाया जा सकता, बस कमेटी गठित की जा सकती है।

अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना...

शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोना वायरस के खिलाफ इम्यून रिसॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोना वायरस के खिलाफ भी इम्यून रिसर्पोन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना ​​​​घट्टे कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन

की है। शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने—पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर—एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस



टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। निरुसंदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इम्यूनूएंजा और सार्स—कोव—2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार—बार अपडेट करना पड़ता है। कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया

हाल के वर्षों में भारत की आबादी से जुड़े ट्रेंड में बदलाव देखने को मिला है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत की आबादी से जुड़ा परिदृश्य एक नये दौर में पहुंच रहा है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को यह सवाल उठाना पड़ा कि क्या आज भी उन कानूनों की प्रासंगिकता बनी हुई है, जिसके अंतर्गत दो से ज्यादा बच्चे होने पर लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराया जाता रहा है। निश्चित रूप से 'दो बच्चों' से जुड़ा यह नियम उस समय बनाया गया था जब देश में तेजी से बढ़ती आबादी चिंता का सबब बनी हुई थी। लेकिन आज जनसंख्या का परिदृश्य तेजी से बदल गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो निकाय चुनावों से जुड़ा अधिक बच्चों वाला नियम अब आबादी के बदलते ट्रेंड से मेल नहीं खाता। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने जिन सवालों को जन्म दिया है, उसकी पुष्टि सरकार की ओर से जारी जनसंख्या संबंधी आंकड़ों से होती है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी दृ सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैटिस्टिकल रिपोर्ट—2024' शीर्ष अदालत के नजरिये की पुष्टि करती है। रिपोर्ट बताती है कि देश की कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर घटकर 1.9 हो गई है, जो कि 2.1 के 'रिप्लेसमेंट लेवल' से कम है। देश में उत्तर भारत के छह राज्य— उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर हैं। जबकि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली—1.2, केरल,तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (तीनों में 1.3) में प्रजनन दर देश में सबसे कम है। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में प्रजनन दर अब भी अधिक है। जो आबादी की दर में बदलाव की असमान गति को ही दर्शाता है। इस तरह से जनसंख्या वृद्धि की ये असमानताएं— 'सबके लिए एक ही जनसंख्या नीति' की खामियों को ही उजागर करती हैं। इस नीति की प्रासंगिकता व इस दिशा में बदलाव की जरूरत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का सार भी है। ऐसे में जब भारत का एक बड़ा हिस्सा बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि के बजाय जन्म दर में गिरावट से जूझ रहा है तो

मुंबई के चश्मे से चंडीगढ़ का दीदार

जब मुंबई में ऊंची इमारतें बन रही थीं, तब चंडीगढ़ ने अपने पेड़ बचाए रखे। मुंबईवासी 12 घंटे की शिफ्ट करते थे, तब चंडीगढ़ में 8 बजे डिनर का रिवाज रहा। क्या चंडीगढ़ में कोई कमी नहीं? हां, है। युवा पीढ़ी शहर छोड़कर जा रही है। तन्ववाहें कम हैं। लेकिन यह एकमात्र ऐसा शहर भी है जहां मेरी बेटी रात 1 बजे गाड़ी चला सकती है, खुद को सुरक्षित महसूस कर सकती है...

मुंबई में रहने वाले एक 'चंडीगढ़िए' का नजरिया रू चंडीगढ़ बेरिंग है। पर, यही इसकी खासियत हैरू मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो?' कहता हूं 'गेज़ी'। चाय। घ्बातें। वे पूछते हैं, 'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से नीरस है जैसे कोई अच्छी किताब। मैं मुंबई में रहता हूं। लेकिन जब भी कोई पूछता है, 'घर कहां है?' तो मेरा जवाब हमेशा यही होता हैकूचंडीगढ़। हालांकि, मुंबई में रहते करीब 30 साल हो गए। गगनचुम्बी इमारतें, चंडीगढ़ की एक कोठी की कीमत के बराबर वहां केवल छोटा—सा

2 बेडरूम फ्लैट मिलना, और वड़ा—पाव खाकर डेडलाइन पूरी करने की भागमभाग। फिर भी, चंडीगढ़ को किसी पुराने साथी की तरह देखता हूं जिससे आज भी लगाव है। वहां की हर चीज का पता रहता है। मुंबई में पहला झटका जगह को लेकर लगता है। यह शहर आपको सिकोड़ देता है। यहां मेरा फ्लैट लगभग 1200 स्क्वेयर फीट का है जबकि सेक्टर 21 में मेरे माता—पिता का घर एक कनाल का है, जिसके लॉन में पुढ़ीना उगाते हैं। मुंबई में अगर बालकनी में दो कुर्सियां बिछ जाएं,तो हम खुश हो जाते हैं। चंडीगढ़ में लोग शिकायत करते हैं कि पार्किंग में दो एसयूवी गाड़ियां नहीं आ पातीं। चंडीगढ़ वापस जाता हूं तो शुरुआती 2—3 दिन बस

घूमता रहता हूं। चौड़ी सड़कें। पेड़—पौधे। हॉर्न का शोर नहीं। सोचता रहता हूं, 'यहां इतनी जगह क्यों है?' और फिर मुझे याद आता है दृ



'द सिटी ब्यूटीफुल' का मकसद यही तो था। ली कॉर्बुजिए ने इसे इस तरह प्लान किया था कि आप खुलकर सांस ले सकें। मुंबई ने खुद को इस तरह प्लान किया कि आप बस एडजस्ट कर सकें। दूसरा झटका समय को लेकर लगता है। मुंबई इस बात पर चलती है कि 'बस पहुंच रहा हूँ दृ जिसका मतलब होता है 45 मिनट। वहीं, चंडीगढ़ में '10 मिनट में आ जाता हूं का मतलब सच में 10 मिनट होता है। मैंने अपने मुंबई वाले दोस्तों को बताया कृमैं 'सेक्टर 17' में किसी से मिलने जा रहा हूं। उन्होंने पूछा, 'कितना समय लगेगा?' मैंने कहा 5—7 मिनट। वे इसे मजाक समझे। चंडीगढ़ में दूरी को घंटों में नहीं, सेक्टर में मापा जाता है। मैं 22 में हूं

तू 35 आ जा'। यह 15 सेकंड का मामला है। इसकी मुझे बहुत याद आती है। घर से दूर रहने पर आप अपने शहर को अलग नजरिए से देखते हैं। पहला, चंडीगढ़ बेरिंग है। पर, यही इसकी खासियत हैरू मुंबई वाले दोस्त पूछते हैं, 'वहां करते क्या हो?' कहता हूं 'गेज़ी'। चाय। घ्बातें। वे हैरान होकर पूछते हैं, 'क्लब नहीं है क्या'? क्लब तो हैं, लेकिन कोई रोज नहीं जाता। क्योंकि यह शहर आपसे हर समय एक्टिव या 'ऑन' रहने की उम्मीद नहीं करता। चंडीगढ़ उस तरह से बेरिंग है जैसे कोई अच्छी किताब। दूसरा, चंडीगढ़ के लोग मीन—मेथ निकालते अथवा मापते हैरू यह भी खासियत है। मुंबई में किसी को परवाह नहीं कि आप बाजार क्या पहनकर जा रहे। लेकिन चंडीगढ़ में आपका पड़ेसी आपके नए कुर्ते पर कमेंट भी कर देगा। पहले मुझे यह बात अखरती थी। अब अहसास होता है रू यही भाईचारा है। तीसरा, चंडीगढ़ अभीर है, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है रू मुंबई दिखावा करता है। बंद्रा, जू की रूफटॉप पार्टियां। बॉलीवुड। चंडीगढ़ में शहर के अंदर ही फार्महाउस हैं—सेक्टर 9 में मेरे एक वकील दोस्त का 10.5 कनाल का बंगला है। सबके पास बड़ी—बड़ी एसयूवी गाड़ियां। लेकिन दिखावे का तरीका अलग है। यहां रुतबे का दिखावा ब्यावहारिक है। ठेठ चंडीगढ़ियां स्टाइल। मुंबई में होता हूं तो चंडीगढ़ के दोस्तों वाला व्हाट्सएप ग्रुप मेरा चंडीगढ़ का न्यूज़ चैनल बन जाता है। वहां के मौसम और ट्रैफिक का पता रहता है। यह भी कि सेक्टर 26 में

कौन—सा नया कैफे खुला है। मुंबई के लोग गलत समझते हैं उन्हें लगता है कि चंडीगढ़ 'छोटा सा' है। तकनीकी रूप से हां, केवल 114 वर्ग किलोमीटर। लेकिन भावनात्मक रूप से, बहुत विशाल है। क्योंकि हर कोई किसी न किसी चंडीगढ़ वाले को जानता है। मुंबई की एक पार्टी में मैं ऐसे 3 लोगों से मिला जिन्होंने कहा, 'मेरी मौसी चंडीगढ़ में रहती है', मेरा कजिन पीजीआई में था', या 'मैं बचपन में रॉक गार्डन गया था'। चंडीगढ़ भारत का दूसरा घर है। कोई मानता नहीं, लेकिन हरेक का इससे कोई न कोई नाता है। मुंबई के लोगों को यह भी लगता है कि चंडीगढ़ में रहने वालों के पास 'करने—धरने को कुछ नहीं'। मैं कहता हूं कि हमारे पास करने को बहुत कुछ है। बस हम सब कुछ आराम से करते हैं। हम ब्रंच नहीं करते, कहते हैं 'घर आ जाओ, राजमाह बने हैं।' मुंबई में 'अपने घर की याद' अजीब तरह से आती है। बड़ी चीजों की वजह से नहीं। अप्रैल में कोयल की कूक की वजह से, सर्दियों की धुंध की वजह से जो सब कुछ रोमांटिक बना देती है। मटका चौक से शिवालिक की पहाड़ियों के नजारे की वजह से। मुंबई ने मुझे ब्यवसाय दिया, चंडीगढ़ ने मेरा वजूद दिया है। मुंबई में मैं 'विज्ञापन जगत का एक बंदा' हूं। चंडीगढ़ में मैं 'गोयल साहब का बेटा, जो डीएवी से पढ़ा और अब मुंबई में है' हूं। मुझे दोनों की जरूरत है। लेकिन घर जैसा अहसास एक ही जगह है। मुंबई से देखने पर चंडीगढ़ ऐसा लगता है जिसने भागमभाग में फंसने से साफ इनकार कर रखा है।

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोध कर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन—लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते—जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिसर्पोन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिसर्पोन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिसर्पोन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना ​​​​घट्टे कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिसर्पोन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है। वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से

इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इम्यूनूएंजा ए और सार्स—कोव—2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड—19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3उदू20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि सार्स—कोव—2 सैंपल अभी भी मेजबान

कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स—कोव—2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई। दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ़्रीटींग पब्लिकेशन हाउस...
मिस्त्री भीखूदेई औरअमनी कर्डीआई

बुद्ध पब्लिकेशन
ऑफ़सेट एण्ड प्रिन्टर्स

जी.एस.टी. श्रिल बुक/फ़ार्म
कार्यालय रजिस्टर
स्कूल कार्प/फ़ार्म/बयरी
फ़पलेट
कार्ड कार्डपेटर
कार्ड डिज़िटिंग कार्ड
डैक्ट टैट पेड
बैंक फ़ार्म
मिक्ट-टीरी एजेंसी. बीगढ़ मधुकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)
8795951917, 9453824459

40/41, 2nd floor, Budhakasandesh.com
 40/41, 2nd floor, Budhakasandesh.com@gmail.com



विश्वकर्मा आर्मी के जिला मीडिया प्रभारी बने चंद्रकेश विश्वकर्मा : रोहनशर्मा।

दैनिक बुद्ध का संदेश
महराजगंज/नौतनवा। दी अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा (1968) द्वारा संचालित विश्वकर्मा आर्मी के संगठनात्मक विस्तार एवं मजबूती के उद्देश्य से संगठन में महत्वपूर्ण दायित्वों का पुनर्गठन किया गया है। इसी क्रम में जिला महामंत्री चंद्रकेश विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।संगठन के जिलाध्यक्ष एवं सुभासपा के गोरखपुर मंडल उपाध्यक्ष रोहन शर्मा द्वारा जारी घोषणा में बताया गया कि पूर्व में नियुक्त मीडिया प्रभारी के स्थान पर अब चंद्रकेश विश्वकर्मा संगठन के अधिात जिला मीडिया प्रभारी के रूप में कार्य करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।रोहन शर्मा ने विश्वास जताया कि चंद्रकेश विश्वकर्मा अपने नेतृत्व, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा के बल पर मीडिया के माध्यम से संगठन की विचारधारा, गतिविधियों और जनसेवा के कार्यों को व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नव नियुक्त जिला मीडिया प्रभारी को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

हाड़ी मजदूर के बेटे ने नीट में पाई सफलता, नौतनवा व्यापार मंडल ने किया सम्मानित।

दैनिक बुद्ध का संदेश
नौतनवा/महराजगंज। सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी



मेहनत और लगन के बल पर नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले दिहाड़ी मजदूर (पेंटर) के होनहार पुत्र का नौतनवा व्यापार मंडल द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष संतोष कुमार जायसवाल ने छात्र को सम्मान-पत्र एवं अंगवस्त्र भेंट कर उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में संतोष कुमार जायसवाल ने कहा कि सफलता कभी भी आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती, बल्कि यह कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि इस छात्र की उपलब्धि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए उसकी मेहनत की सराहना की और भविष्य में एक सफल विकिस्त्क बनने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर व्यापार मंडल के महामंत्री विंध्याचल अग्रहरि, जिला उपाध्यक्ष रवि मंडेशिया, दिनेश खेतान, सलाहकार ठाकुर सोनी, मुन्ना चौधरी, जगू जायसवाल, आशीष गुप्ता, राकेश गुप्ता सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे।

रोजगार मेला का आयोजन 20 जुलाई को

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए 20.07.2026 को प्रातः 10रु०0 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया जाना है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 09 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें डीसेट्स द्वारा (प्रणव विकास इण्डिया प्रा०लि०, पूणे, मुशाशी आटो पोर्ट इण्डिया प्रा०लि०, बैंगलूरू, माहेल आनन्द फिल्टर सिस्टम प्रा०लि०, गुरुग्राम), लीप कार्ट, सोनभद्र, पेटीएम, सोनभद्र, सीपेट, वाराणसी, कैंस्पर माईक्रो क्रेडिट, राबट्सगंज, सोनभद्र, सुलेरा इंडस्ट्रीज, सोनभद्र, वज़ एल०ई०डी० सोल्यूशन प्रा०लि०, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियों की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः नि:शुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

?नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसलाकर सूरत (गुजरात) ले जाने वाले अभियुक्तको किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) ‘ अनिल कुमार’ के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी ओबरा ‘ प्रभात राय’ के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं महिला/बालिका सुरक्षा के प्तिगत चलाए जा रहे अभियान के क्रम मेंथाना जुगैल पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए ‘मु०अ०स०—86/2026’ से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। 8.07.2026 को थाना जुगैल क्षेत्र के एक निवासी द्वारा सूचना दी गई कि उसकी पुत्री एवं उसके परिजन की नाबालिग पुत्री दिनांक 01.07.2026 से बिना बताए घर से कहीं चली गई है। सूचना के आधार पर थाना जुगैल पर गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। 10.07.2026 को दोनों नाबालिग बालिकाएं सकुशल अपने घर वापस आ गईं। उनके बयान एवं विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों से यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त ‘विनोद मोदनवाल उर्फ बाबा’ पुत्र कल्लू हलवाई निवासी ग्राम भरहरी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र, मोबाइल फोन के माध्यम से दोनों बालिकाओं के संपर्क में रहता था तथा उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ ‘सूरत (गुजरात)’ ले गया था। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर थाना जुगैल पर ‘मु०अ०स०— 86/2026’ में धारा 137(2), 64(1) भारतीय न्याय संहिता (छद्म) एवं 3/4 पॉर्सीस अभिनियम’ के अंतर्गत अभियोग पंजीत किया गया। तत्पश्चात थाना जुगैल पुलिस टीम द्वारा ‘17.07.2026’ को समय लगभग ‘11रु०0 बजे’ भरहरी तिराहे के पुल के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई

भनवापुर में पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण संपन्न, वैज्ञानिकों ने बताए सुगंधित धान बीज उत्पादन के गुर

दैनिक बुद्ध का संदेश
भनवापुर/सिद्धार्थनगर।|कृषि



विज्ञान केंद्र सोहना, भनवापुर में पशुगंधित धान बीज उत्पादन तकनीक विषय पर 13 से 17 जुलाई तक आयोजित पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य, संतुलित पोषण, रोग एवं खरपतवार प्रबंधन तथा वैज्ञानिक तरीके से बीज भंडारण की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्राध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने किसानों से मान्यता प्राप्त स्रोत से ही बीज

प्रजाति चुनने की सलाह दी।

इंजीनियर अशोक कुमार पाण्डेय ने वैज्ञानिक विधि से नर्सरी तैयार करने और ट्राइकोडर्मा व रसायनों से बीज उपचार की प्रक्रिया बताई। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. शेष नारायण सिंह ने कहा कि सिद्धार्थनगर में सर्वाधिक क्षेत्रफल में कालानमक धान की खेती होती है और अधिक लाभ के लिए बीज व चावल की शुद्धता बनाए रखना जरूरी है। बीज वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने सिंचाई एवं जल निकास वाले खेत के चयन, संतुलित उर्वरक प्रयोग, हरी खाद के उपयोग तथा

बीज उत्पादन में तीन मीटर पृथक्करण दूरी बनाए रखने की सलाह दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ. प्रवेश कुमार ने मृदा परीक्षण कराकर उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने और प्रति हेक्टेयर 10 से 12 टन सड़ी गोबर की खाद डालने पर जोर दिया। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र ने पूरी तरह पकी फसल की कटाई तथा मछई के दौरान बीज की शुद्धता बनाए रखने की बात कही। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार सिंह ने सुरक्षित बीज भंडारण और प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. मार्कण्डेय सिंह ने बीजों के प्रकार एवं खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। कार्यक्रम में रवि गिरी, मुकेश मिश्रा, राम नयन, राजीव कुमार पाण्डेय, अश्वनी पाठक, जितेंद्र सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। वैज्ञानिकों ने किसानों से प्रशिक्षण में मिली तकनीकों को अपनाकर गुणवत्तापूर्ण सुगंधित धान एवं बीज उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया।

दुष्कर्म के दो आरोपियों को चौकी प्रभारी की सूझबूझ से मौके पर ही किया गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज कार्यवाही प्रचलित

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद में अपराधियों

को कानून का खोफ जैसी नहीं रह गया है यह चर्चा है लोगों में जिस तरह से अपराधी अपराध कर रहे हैं यह आने वाले समय में एक भयावह रूप लेने का अंदेशा लगा रहे हैं लोग।हाल की बात करें तो थाना कोतवाली देहात अन्तर्गत सालपुर चौकी क्षेत्र में बीते दिनों एक दुष्कर्म की घटना चर्चा में है। स्थानीय लोगों के अनुसार दो एक लड़की दवा लेने हेतु पीएचसी सालपुर जा रही थी की मनबढ़ दो मनचले अज्ञात लड़के मोटर

से खिंचने लगे। पीड़िता की मां के अनुसार दोनों मनचलों ने लड़की के साथ गलत काम किया, जिसकी लिखित शिकायत चौकी सालपुर में दी है। तहशीर



के अनुसार अज्ञात मनचलों ने जबरदस्ती लड़की को मक्के के खेत में लें जाकर जोर जबरदस्ती की लड़की के चिह्ललाने पर आसपास के खेतों में काम कर रहे स्थानीय लोग आवाज सुनकर दौड़े।लोगों को आता देख कर आरोपी दोनों अज्ञात लड़के भागने लगे जिन्हें लोगों ने पकड़ लिया और चौकी प्रभारी को सूचित किया मौके पर सालपुर चौकी प्रभारी ने पहुंच कर दोनों आरोपी लड़कों को चौकी ले आये।

राजकीय इंटर कॉलेज भिद्री में हुआ वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रधानाचार्य तौकीर अहमद की अध्यक्षता में शिक्षकों और छात्राओं ने लगाए सागौन, नीम, अमरुद, यूकेलिप्टस व नींबू के पौधे



इकोन में प्रधानाचार्य तौकीर अहमद की अध्यक्षता में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं छात्राओं ने परिसर में सागौन, नीम, अमरुद, यूकेलिप्टस, नींबू सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य तौकीर अहमद ने कहा कि वृक्षारोपण प्राा्तिक पर्यावरण की सुरक्षा और मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिससे पर्यावरण संतुलित रहता है और मानव जीवन स्वस्थ बनता है। उन्होंने सभी से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षिका ममता विमल ने कहा कि वृक्ष जंगली जीवों के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराते हैं, जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा जलवायु संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधारोपण को जन आंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

साइबर सेल मल्हीपुर की कार्रवाई, ऑनलाइन ठगी के शिकार पीड़िता को 5 हजार रुपये वापस मिले



दैनिक बुद्ध का संदेश
श्रावस्ती। जनपद श्रावस्ती की साइबर सेल थाना मल्हीपुर ने ऑनलाइन ठगी की शिकार एक महिला को बड़ी राहत दिलाते हुए उसके बैंक खाते में 5,000 रुपये वापस कराए हैं। शेष धनराशि वापस कराने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक चन्द्रकेश सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना मल्हीपुर महेंद्र कुमार सिंह एवं साइबर सेल की टीम ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, पीड़िता के बैंक खाते से न्च के माध्यम से 20,000 रुपये की साइबर ठगी कर ली गई थी। पीड़िता ने 21 अप्रैल 2026 को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (छब्ब्ट) पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डवदमल त्मेजवतंजपवद डवकनसम (डव्टड) च्वतजंस के माध्यम से 5,000 रुपये पीड़िता के बैंक खाते में वापस कराए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शेष 15,000 रुपये वापस दिलाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही लोगों से अपील की गई कि किसी भी साइबर ठगी की घटना होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते धनराशि होल्ड कराकर वापस कराई जा सके।

नारकोटिक्स विभाग की टीम के द्वारा अमन फार्मा पर मारा गया छापा, कार्यवाही प्रक्रियाधीन

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद में बीते दिनों



नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित बरियारपुरवा भट्टा गांव में अमन फार्मा पर नारकोटिक्स विभाग की टीम के द्वारा छापा मारने से हड़कंप मच गया। प्राप्त सूचना के अनुसार गुरुवार दोपहर 2 बजे नारकोटिक्स टीम ने अमन फार्मा पर छापामार की कार्यवाही शुरू की। लोगों के अनुसार यह कार्रवाई नशीली दवाओं की बिक्री की शिकायतों के आधार पर की जा रही है और गुरुवार रात 8 बजे तक जारी थी।छापेमारी शुरू होते ही अमन फार्मा का मालिक अमन अपना दुकान और गोदाम छोड़कर फरार हो गया।नारकोटिक्स

गोदामों में रखी दवाओं की गहन जांच की।संदिग्ध दवाओं के नमूने लिए जा रहे थे।

मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर समाजीत सिंह और महिला पुलिसकर्मी तैनात रही।विभाग को लगातार अमन फार्मा से नशीली दवाएं बेचे जाने की शिकायतें मिल रही थीं।इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर शासन स्तर पर तीन जनपदों के ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम गठित की गई थी। इस टीम में गोंडा के ड्रग इंस्पेक्टर सुमित वर्मा, बाराबंकी की ड्रग इंस्पेक्टर रजिया बानो और शामिल हैं।टीम द्वारा अमन फार्मा के दो अलग-अलग गोदामों की भी जांच की जा रही है,जहां प्रत्येक दवा की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। नारकोटिक्स विभाग की टीम ने अमन फार्म के मालिक से संपर्क करने का कई बार प्रयास किया,लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। मालिक अमन अभी भी फरार है। यह कार्रवाई लम्बी चलने के संभावना है,क्योंकि अभी यहां काफी दवाओं की जांच करनी बाकी है, नगर कोतवाली पुलिस यहां पर मौजूद है अमन फार्मा के मालिक मौके से फरार हो गए हैं।

भैजापुर चीनी मिल में डीआईजी ने किया पौधरोपण,लोगों को पेड़ लगाने का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। गोन्डा जनपद के करनैलगंज क्षेत्र में स्थित भैजापुर



चीनी मिल परिसर में देवीपाटन मंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक अशोक शुक्ला ने पौधरोपण कर जनता को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान डीआईजी अशोक शुक्ला ने कहा कि लोग अपने भविष्य के लिए बैंक में पैसे जमा करते हैं, बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं और सुख-सुविधाओं के लिए मेहनत करते हैं, लेकिन स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण का महत्व समझना भी उतना ही जरूरी है।उन्होंने कहा कि जैसे लोग अपने आने वाले कल के लिये योजनाएं बनाते हैं, वैसे ही पेड़ लगाने और बचाने की भी योजना बनानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे व्यक्तिगत रूप से हर साल सौ पेड़ खरीद कर लगाते हैं और सभी से अपील की कि यह संदेश दूर-दूर तक पहुंचाया जाए। ष्महारा तो किसी तरह कट जाएगा, लेकिन आने वाले दिनों में हमारे बच्चों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ेगा इसलिए जागरूक बने पेड़ लगाएं और उसकी रक्षा करें।

घाघरा नदी में मगरमच्छ का हमला, 12 वर्षीय मासूम को खींचकर उतारा मौत के घाट



लोगों ने शोर मचाकर और हांका लगाकर बच्चे को बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। बताया जा रहा है कि मरौना निवासी 12 वर्षीय सुनील सिंह अपने चाचा के साथ धान की रोपाई करने गया था। काम खत्म होने के बाद वह घाघरा नदी में हाथ धोने पहुंचा, तभी नदी से निकले मगरमच्छ ने उसे दबोच लिया और देखते ही देखते गहरे पानी में खींच ले गया। घटना के दौरान मौजूद ग्रामीणों ने बच्चे को बचाने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन मगरमच्छ के हमले के आगे उनकी कोशिशें नाकाम रही। हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आने की बात कही जा रही है। मृतक सुनील सिंह कक्षा 6 का छात्र था और तीन बहनों का इकलौता भाई था। इस दर्दनाक घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, जबकि पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने घाघरा नदी के किनारे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और नव विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

फौजी से प्रभास का फर्स्ट लुक आउट, 3 दिसंबर 2026 को बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार और अजय देवगन से टक्कर लेंगे बाहुबली

तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, जानकर दिल खुश हो जाएगा



सनी देओल की बटवारा 1947 बॉक्स ऑफिस पर मचाएगी धमाल, निर्माताओं ने बनाई ये योजना

सनी देओल की फिल्म बटवारा 1947 का इंतजार हर कोई कर रहा है। अगले महीने यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है, लेकिन उससे पहले निर्माताओं ने तगड़ी योजना बनाई



है। आमिर खान के प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म के प्रमोशन के लिए टीम देश के 12 बड़े शहरों में जाएगी। इसे फिल्म की सबसे बड़ी राष्ट्रव्यापी प्रचार पहल के रूप में बताया जा रहा है। इसका मकसद फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्पुक्ता जगाना है। खबरों के अनुसार, निर्माता दर्शकों के सामने कलाकारों और रचनात्मक टीम को लाने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि दौरे के दौरान, फिल्म के कलाकार और टीम कई स्थानों का दौरा करते हुए फैंस से बातचीत करेंगे और फिल्म से जुड़े प्रचार कार्यक्रमों में भाग लेंगे। निर्माताओं का मानना है कि इस व्यापक दौरे से दर्शक फिल्म की उस कहानी से और गहराई से जुड़ सकेंगे जिसे वे हर भारतीय के लिए जानना जरूरी मानते हैं। बटवारा 1947 का टीजर और पोस्टर पहले ही जारी हो चुके हैं और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल कर चुके हैं। फिल्म में सनी के अलावा, प्रीति जिंटा मुख्य किरदार में नजर आएंगी। भैयाजी सुपरहिट (2018) के बाद, ये बॉलीवुड में उनकी वापसी का प्रतीक है। इसके अलावा, शबाना आजमी, अली फजल, करण देओल और अभिमन्यु सिंह भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी ये फिल्म 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फौजी इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है. इस फिल्म में साउथ सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह है, जिससे यह आने वाली सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई हैय इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, प्रभास ने अब एक शानदार पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है. मेकर्स अपकमिंग फिल्म फौजी से प्रभास का फर्स्ट लुक जारी किया है, साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है. जारी पोस्टर में प्रभास खून से लथपथ हालत में एक चट्टान पर बैठे नजर आ रहे हैंय उनके आस-पास बेजान लाशें बिखरी हुई हैं और उन्होंने हाथ में बंदूक थाम रखी है. अ बटालियन हू फाइट्स अलोन (टैंगलाइन वाला यह पोस्टर एक्शन, कुर्बानी और बगावत से भरपूर एक जबरदस्त वॉर ड्रामा की ओर इशारा करता है.

यह पोस्टर फिल्म की जबरदस्त दुनिया की एक झलक दिखाता है. इस दमदार पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, अज्ञातपर्व का अंत. बगावत की शुरुआत. फौजी दुनिया भर में 3 दिसंबर 2026 को बड़े पैमाने पर रिलीज होगी.

प्रभास की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार, विद्या बालन और राशी खन्ना की अनटाइटल्ड फिल्म से टकराएगी. ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार, अक्षय की यह फिल्म प्रभास की फिल्म रिलीज के एक दिन बाद सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म के डायरेक्टर अनीस बज्मी हैं.

इस मुकाबले में अजय देवगन की फिल्म रेंजर भी शामिल है, जिसे जगन शक्ति ने डायरेक्ट किया है. यह फिल्म भी उसी दिन यानी 4 दिसंबर को रिलीज होने की तैयारी में है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर तीन फिल्मों के बीच टक्कर होने की संभावना बन गई है. यह इंडियाना जोन्स जैसी एडवेंचर फिल्म है.

नु राघवपुडी के निर्देशन में बन रही फिल्म फौजी की कहानी आजादी से पहले के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है. उम्मीद है कि इस फिल्म में इतिहास, देशभक्ति, रोमांस और एक्शन का मेल देखने को मिलेगा, जिसमें प्रभास एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे.

इस फिल्म में फीमेल लीड रोल में इमानवी भी हैं, जो इस एक्ट्रेस के लिए एक अहम प्रोजेक्ट है. अनुभवी कलाकार मिथुन चक्रवर्ती और जया प्रदा भी इस बड़ी स्टार कास्ट का हिस्सा हैं, जिससे इस महत्वाकांक्षी फिल्म का स्टार पावर और बढ़ जाता है.

मैथ्री मूवी मेकर्स के सहयोग से और टी-सीरीज फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, फौजी को इस प्रोडक्शन हाउस का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया जा रहा है. प्रभास, पुष्पा के मेकर्स और सीता रामम के डायरेक्टर हनु राघवपुडी के बीच इस सहयोग ने फिल्म देखने वालों के बीच पहले ही जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है.

ओटीटी पर रिलीज हुई रक्तांचल 3, पूर्वांचल में फिर शुरू हुआ सत्ता और खूनी खेल

गैंगवार, राजनीति और अपराध की दुनिया पर आधारित वेब सीरीज के शौकीनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है. क्राइम-थ्रिलर सीरीज रक्तांचल का तीसरा सीजन आखिरकार अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हो गया है. इस नए सीजन में एक बार फिर दर्शकों को पूर्वांचल के ठेकों पर



कब्जे की खूनी जंग और सत्ता की बिसात पर खेले जाने वाले घातक खेल देखने को मिलेंगे. सीरीज रक्तांचल सीजन 3 16 जुलाई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम हो रही है. इसके डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव हैं. दर्शक बिना किसी सब्सक्रिप्शन के मुफ्त में इस सीरीज को एंजॉय कर सकते हैं. इसकी कहानी सिद्धार्थ मिश्रा ने लिखी है. ये सीरीज पूर्वांचल के माफिया की असल कहानी पर बनी है. इसमें क्रांति प्रकाश झा, निकितिन धीर और करण पटेल जैसे एक्टर्स नजर आ रहे हैं

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की पृष्ठभूमि पर आधारित रक्तांचल ने अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन एक्शन से दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई है. शुरुआती सीजन में जहां विजय सिंह और वसीम खान के बीच सरकारी ठेकों और वर्चस्व की खूनी लड़ाई देखने को मिली थी, वहीं अब ये कहानी राजनीति के एक बड़े और अधिक खतरनाक खेल में बदल चुकी है.

इस नए सीजन में दांव और भी ऊंचे हो चुके हैं. लोकल पॉलिटिक्स, कोयला माफिया और निजी दुश्मनी के आपस में टकराने से कहानी में कई बड़े टिविस्ट देखने को मिलेंगे. सत्ता हासिल करने और अपने विरोधियों को नेस्तनाबूद करने के लिए किरदार किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं. अगर आप क्राइम ड्रामा, दमदार डायलॉग्स और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज देखना पसंद करते हैं, तो रक्तांचल सीजन 3 इस वीकेंड आपकी बिज-वॉच लिस्ट में जरूर शामिल होनी चाहिए.



बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है। तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं। उस पर रागिनी 3 लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफ है कि अभिनेत्री ने 15 जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं। लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है। कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था।

रागिनी 3 के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25 सितंबर को रिलीज होगी।

पूल नूडल्स से की जा सकती है कसरत, मिल सकते हैं कई फायदे



पूल नूडल्स एक प्रकार का एक्सरसाइज उपकरण है, जिसका इस्तेमाल पानी में किया जाता है। यह उपकरण न केवल मजेदार है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके शरीर को मजबूत और फिट बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि पूल नूडल्स का उपयोग करके कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं और इनके क्या-क्या फायदे हैं।

दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाने में सहायक

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप दिल और सांस की एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाती हैं। पानी में की जाने वाली यह एक्सरसाइज शरीर के पूरे हिस्से पर असर डालती है और आपको तेजी से फिट बनाती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके शरीर की सहनशक्ति को भी बढ़ाती है, जिससे आप लंबे समय तक बिना थके एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे आपका शरीर तंदुरुस्त और सक्रिय रहता है।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान कर सकती है

पूल नूडल्स का उपयोग करके आप अलग-अलग प्रकार की ताकत बढ़ाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी बाजू, पीठ और कंधे मजबूत होते हैं। इसके अलावा आप नूडल्स को ऊपर-नीचे करके भी अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की ताकत भी बढ़ती है।

शरीर को लचीला बनाने में मददगार: पूल नूडल्स की मदद से आप अपने शरीर को लचीला बना सकते हैं। इसके लिए आप नूडल्स को पकड़कर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपकी पीठ, पैर और कंधे की लचीलापन बढ़ती है। इसके अलावा आप नूडल्स को दोनों हाथों से पकड़कर घुमाने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी हाथों की लचीलापन बढ़ती है। इससे आपकी शरीर की सभी प्रमुख मांसपेशियां मजबूत होती हैं और लचीला रहता है।

तनाव को कम करने में है कारगर

पूल नूडल्स की मदद से आप तनाव मुक्त हो सकते हैं। इसके लिए आप पानी में तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर पीछे की ओर झुकने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मन शांत होता है। इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपके मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं।

वजन कम करने में है मददगार: पूल नूडल्स की मदद से आप वजन घटा सकते हैं। इसके लिए आप तेज गति से तैरते हुए नूडल्स पर बैठकर आगे-पीछे झुलाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं, जिससे आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इसके अलावा आप नूडल्स को पकड़कर खींचने वाली एक्सरसाइज भी कर सकते हैं, जिससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को फिट रख सकते हैं।